

**राज**

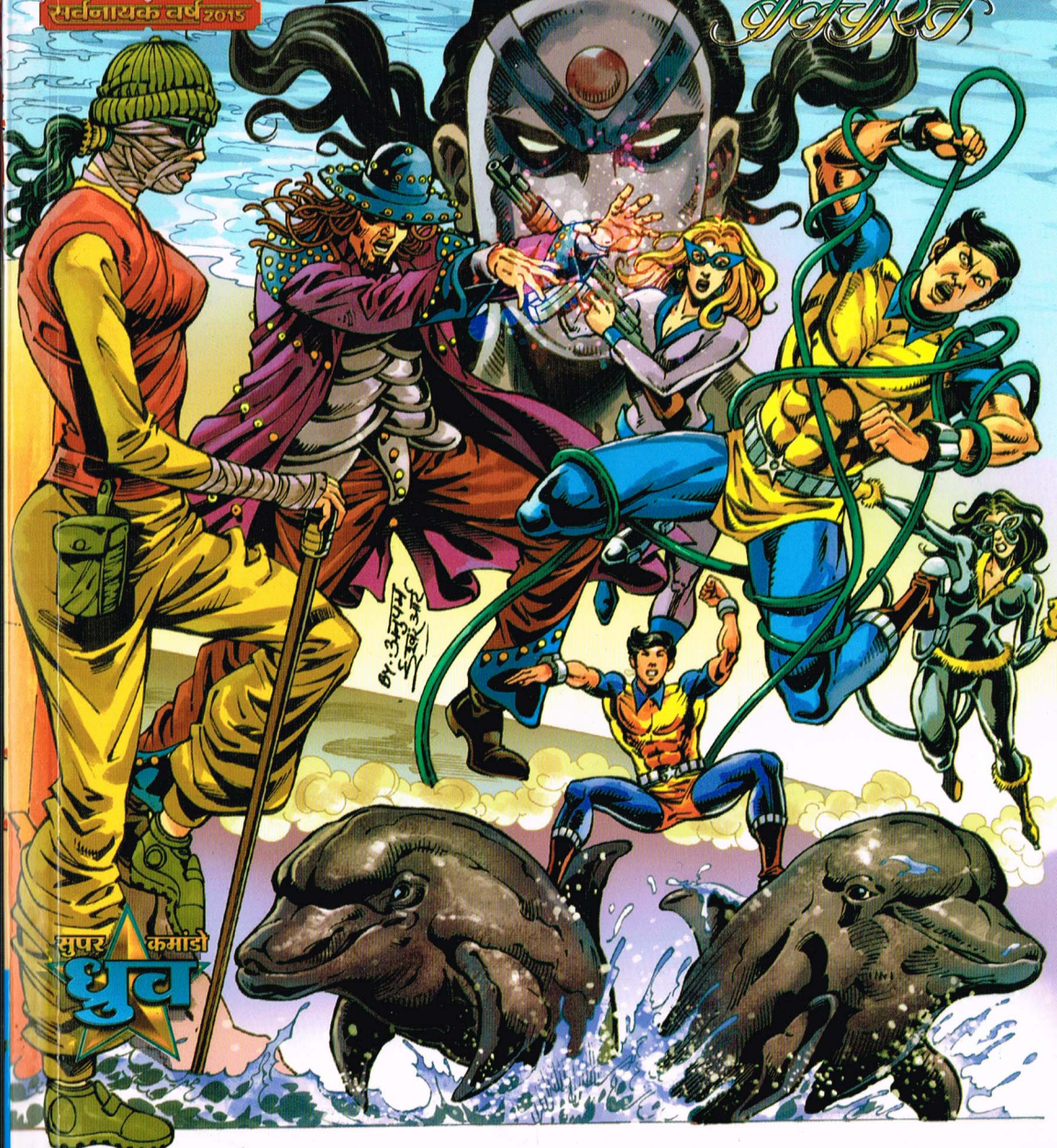
**कॉमिक्स  
विशेषांक**

मूल्य 90.00 संख्या 2583

**सर्वनायक वर्ष 2013**

# फुलैशबैक

*बावचरित*



**सुपर कमांडो  
ध्रुव**



*azamworld.blogspot.com persent's*



## इसी सैट के कॉमिक्स

## आगामी सैट के कॉमिक्स

- प्लेशबैक (बालचरित) (सुपर कमांडो ध्रुव का विशेषांक) (मूल्य : 90/-)
- मौत का मैराथन (सर्वनायक विस्तार) (मल्टीस्टारर विशेषांक) (मूल्य : 60/-)
- अनोखा चोर (बांकेलाल का हास्य कॉमिक्स) (मूल्य : 40/-)
- डोगा 13 (द्विनायक 02) (रो फोलाद, वही और बंदूक, वेल्कम डोगा वेल्कम स्टील) (डोगा और स्टील का धी इन वन डाइजेस्ट) (मूल्य : 160/-)

- सर्वमंथन (सर्वनायक शृंखला) (मल्टीस्टारर विशेषांक)
- आखिरी रसक (आखिरी) (मल्टीस्टारर कॉमिक्स)
- डोगा निर्मूलक (डोगा उन्मूलन) (डोगा)
- डोगा 18 (द्विनायक 03) (डोगा और कोबी भेड़िया का दू इन वन डाइजेस्ट)
- सुपर कमांडो ध्रुव 11 (सुपर कमांडो ध्रुव का धी इन (आत्मा के चोर, वैष्णवर, सुग्रीमा) वन डाइजेस्ट)

- प्रतिशोध की ज्वाला
- रोमन हत्यारा
- आदमखोरों का स्वर्ग
- स्वर्ग की तबाही
- मौत का ओलम्पिक
- समुद्र का शेतान
- बर्फ की चिता
- खूनों का शिकंजा
- लहू के प्यासे
- महामानव
- वू-डू
- मुखे मौत चाहिए
- बहरी मौत
- उड़नतश्तरी के बंधक
- एक दिन की मौत
- विनाश के वृक्ष
- वैष्णविक किलर
- आखिरी दांव
- नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव
- ग्रेड मास्टर रोबो
- आवाज की तबाही
- नागराज और दुगाकू
- खूनी खिलौने
- किरिगी का कहर
- चुन्बा का चक्रव्यूह
- वीडियो विलेन
- पागल कतिलों की टोली
- ब्लैक कैट
- रोबो का प्रतिशोध
- डॉक्टर वायरस
- सामरी की ज्वाला
- आत्मा के चोर
- दलदल
- उड़ती मौत
- वैष्णवर
- सुग्रीमा
- चण्डकाल की वापसी
- मैंने मारा ध्रुव को
- हत्यारा कौन
- सर्कस
- हत्यारी राशियां
- मौत के चेहरे
- कमांडर नताशा
- मास्टर ब्लास्टर
- संहार
- रोबोट
- सुपर कमांडो ध्रुव
- सम्राट
- सौदागी
- सर्वशक्तिमान
- सुपर हीरो
- फरिश्ता
- रॉबिन हुड
- चैलेंज
- चक
- मैं समय हूँ

- दुश्मन
- कलियुग
- निशाचर
- विजय मास्टर
- ममी का कहर
- कमांडो फोर्स
- कोहराम
- बौना वामन
- कालख्यति
- शह और मात
- आया चुन्बा
- चुन्बा सम्राट
- जलजला
- ध्रुव हत्यारा है
- शहंशाह
- संभ्राम
- शीतान
- ध्रुव खलम
- विध्वंस
- परकाले
- अंत
- दूसरा ध्रुव
- डिजिटल
- मैडयूसा
- ड्रेकुला का हमला
- ड्रेकुला का अंत
- कोलाहल
- मास्टर ब्लास्टर
- संहार
- रोबोट
- सुपर कमांडो ध्रुव
- सम्राट
- सौदागी
- सर्वशक्तिमान
- सुपर हीरो
- फरिश्ता
- रॉबिन हुड
- चैलेंज
- चक
- मैं समय हूँ

- सर्वदमन
- सर्वसंग्राम
- सर्वसंहार
- अलादीन
- नैनो
- हंटर्स
- राजनगर रसक
- ध्रुव डाइजेस्ट 1 (प्रतिशोध की ज्वाला, रोमन हत्यारा)
- ध्रुव डाइजेस्ट 2 (आदमखोरों का स्वर्ग, स्वर्ग की तबाही, मौत का ओलम्पिक)
- ध्रुव डाइजेस्ट 3 (समुद्र का शेतान, बर्फ की चिता, खूनों का शिकंजा)
- ध्रुव डाइजेस्ट 4 (लहू के प्यासे, महामानव, वू-डू)
- ध्रुव डाइजेस्ट 5 (मुखे मौत चाहिए, बहरी मौत, उड़नतश्तरी के बंधक)
- ध्रुव डाइजेस्ट 6 (एक दिन की मौत, विनाश के वृक्ष)
- ध्रुव डाइजेस्ट 7 (वैष्णविक किलर, आखिरी दांव, वीडियो विलेन)
- ध्रुव डाइजेस्ट 8 (पागल कतिलों की टोली, ब्लैक कैट, रोबो का प्रतिशोध, दलदल, उड़ती मौत, चंडकाल की वापसी)
- एक्स
- शो स्टॉपर
- स्पेशल्स
- कोड नेम कॉमेट
- ब्रेक आउट
- मैक्सिमम
- सिक्योरिटी
- लास्ट स्टैंड
- निगेटिव्स
- सर्वयुगम

- ध्रुव डाइजेस्ट 9 (ग्रेड मास्टर रोबो, आवाज की तबाही, खूनी खिलौने, किरिगी का कहर)
- ध्रुव डाइजेस्ट 10 (चुन्बा का चक्रव्यूह, डॉक्टर वायरस, सामरी की ज्वाला)
- ध्रुव डाइजेस्ट 15 (खूनी खानदान, अतीत, जिम्सा)
- Revenge
- Deadly Games
- The Flying Death
- Return of Chandkaal
- Dangerous Device
- Alladin
- DHRUVA 1 (THE VENGEANCE, THE ROMAN ASSASSIN, THE RISE OF MUTANTS, THE ANNIHILATION OF THE MUTANTS, THE DEADLY GAMES, SEA MONSTER)
- DHRUVA 2 (MYSTERIOUS MOUNTAINS, GHOST FROM THE PAST, OPERATION DESERT STORM, MAHAMANAV, VOO-DOO, DEATH WISH)

अब घर बैठे पाइए अपनी पसंदीदा कॉमिक्स! हमारी वेबसाइट [www.rajcomics.com](http://www.rajcomics.com) पर लॉग ऑन कीजिए और पाइए हमारी कॉमिक्स का विशाल कलेक्शन! और साथ में आपको मिलेगा आकर्षक डिस्काउंट और फ्री गिफ्ट्स! आप क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग, डिमांड ड्राफ्ट और मनी ऑर्डर द्वारा भुगतान कर सकते हैं! सभी ऑर्डर्स 24 घंटों के अंदर भेज दिए जाते हैं! यह सेवा देश-विदेश के हर कोने पर उपलब्ध है! किसी भी सहायता के लिए **7838383660** पर कॉल करें या [sales@rajcomics.com](mailto:sales@rajcomics.com) पर ईमेल करें!

order all your  
favorite comics at  
[www.rajcomics.com](http://www.rajcomics.com)



आब न तेरा परिवार  
तेरे साथ है, और न ही तेरी  
कमांडो फोर्स का बैकअप! आब  
जल्दी ही तेरी जान भी तेरा  
साथ छोड़ने वाली है।

पर तेरी जान  
को मैं तेरा साथ तब  
तक नहीं छोड़ने दूंगा  
जब तक तेरी जबान  
न स्थूल जाए!...

बता, क्या है ऐसा  
जैकब अंकल के भेजे गए  
कंटेनर में, जिसके लिए  
तुम लोग इतनी ताकत  
लगा रहे हो?

इसमें तो  
जुपिटर सर्कस की  
पुरानी चीजों के अलावा  
कुछ भी नहीं है।

हमें  
वही तो चाहिए!  
जुपिटर सर्कस  
का....

संभव गुप्ता पेश करते हैं!

# सुपरशक्ति

राज को भिन्न हि पेश नवतन!

कथा एवं चित्र स्थाहीकार रंगरज्जा शब्दांकन संपादन  
अनुपम सिन्हा विनोद कुमार शादाब, बसंत मंदार गंगेले मनीष गुप्ता

संस्थापक-राजकुमार गुप्ता, मनोज गुप्ता



“यह क्या हो गया है हंटरस को?  
अभी यूक्रेन में मिली असफलता का  
स्वाद मुंह से मिटा भी नहीं था...”



क्या कहूंगा मैं?  
एक मामूली सा... छोटा  
सा काम इनसे नहीं हो  
पा रहा है।

भूलो मत! उस छोटे  
से काम में ध्रुव नाम की टांग  
अड़ी है। इतना आसान नहीं  
है यह काम!



...और उसके ऊपर यह  
ताबड़तोड़ दूसरी असफलता।  
पहले उलूक गया और अब गिली-  
गिली जैसा शातिर ऑपरेटिव  
इतनी आसानी से बेवकूफ  
बन गया।

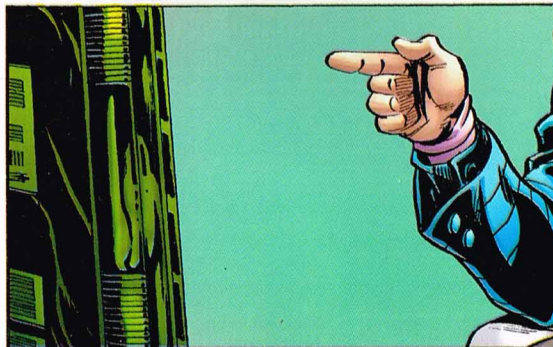
मुझे भी  
ऊपर वालों को  
इसका जवाब  
देना पड़ेगा!



आसान!! छोटे  
से घर के छोटे से  
गोदाम में उलूक  
जैसा ऑपरेटिव  
एक मामूली सी  
चीज दूँढता है और  
खुद पकड़ा  
जाता है।

वह अपने शिकार,  
एक लड़की को नहीं मार  
पाता। और हमारे सूत्रों के  
अनुसार वह पुलिस  
कर्मिश्नर की बेटी है।  
पहली चूक।

उलूक, ध्रुव के  
वापस आने से पहले,  
वहां से भागने में सफल तो  
होता है पर ध्रुव उसको न  
जाने कैसे ढूँढ निकालता  
है। दूसरी चूक!



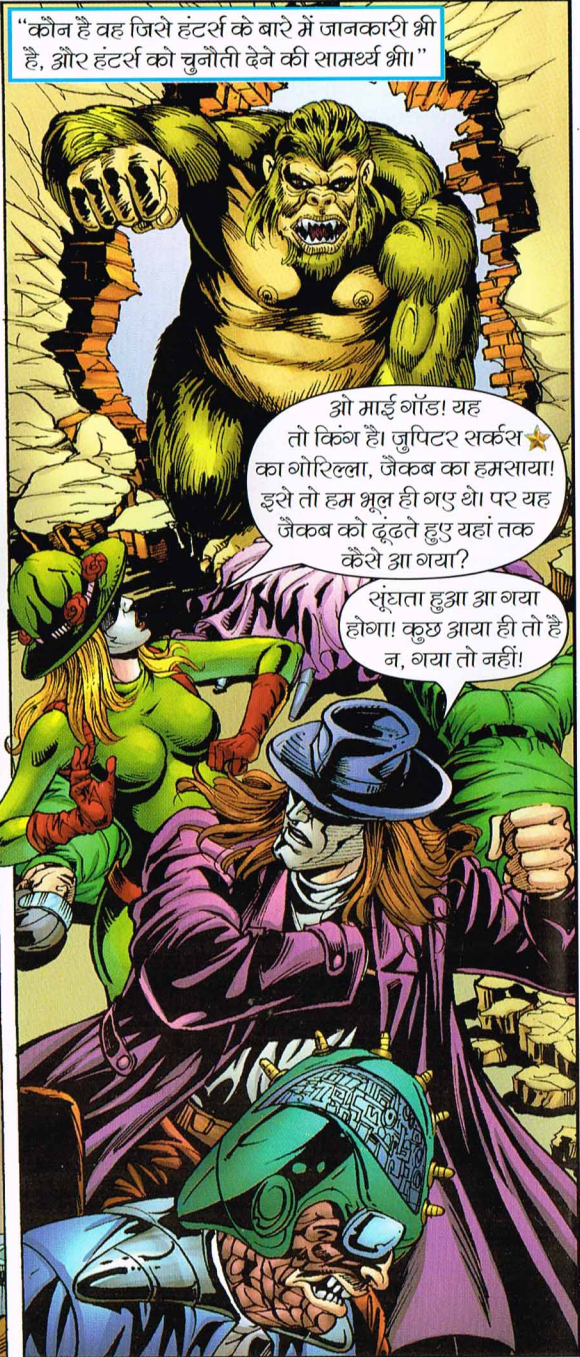
“वह ध्रुव को बच्चा और नादान समझ कर खुद नादानी कर जाता है और अपने चिथड़े उड़वा बैठता है। तीसरी और उसकी आखिरी चूक!”

“ध्रुव के हाथों उसका लैपटॉप लब जाता है। जिसे वह, अपने कमांडो सेंटर ले जाता है। यहां चौथी चूक किरमत तब करती है जब लैपटॉप खोलने से धमाका तो होता है पर ध्रुव वहां पर नहीं होता!”

“हम गिलीगिली को वह कंटेनर हासिल करने के लिए कराची मिशन से वापस बुलाते हैं, जो लापता जैकब ने मॉरीशस से ध्रुव को भेजा है।”

“पांचवीं चूक गिलीगिली द्वारा हड़बड़ी में यह योजना बनाना थी कि वह ध्रुव बनकर शिप-यार्ड जाएगा और वहां का क्लर्क तोते की तरह उसे कंटेनर का पता बता देगा!”

“छठी और आखिरी चूक! उस मूर्ख गिलीगिली को यह खयाल ही नहीं आया कि सामने वाला चाल चलने में उसका भी बाप है। वह क्लर्क नहीं, ध्रुव निकला।”











उतनी देर  
में मैं इसे निपटा  
दूंगी!

बस तुम उस  
गुरिल्ले को संभालने  
मत देना!

पर अब काम पूरा  
होने से पहले जैकब  
को कोई और उनके  
शिकजे से छुड़ाने के  
लिए आ धमका था!

**आऊ!!**  
इसके शरीर  
के अंदर अभी भी करेंट  
मौजूद है!

पर यह  
जैकब का  
नया खैर  
ख्वाह कहा  
से पैदा हो  
गया?

यह खैर ख्वाह जो  
भी था, दमदार था!

**आऊ!!**  
असंभव!  
इसने मुझ पर  
वार कर लिया!  
मुझ पर!!

यानि... यह  
खुद कोई सुपर ट्रेड  
फाईटर है!

मुझे मदद  
चाहिए!

मामला उलझता जा रहा  
था। नए-नए खिल्लाडी  
मैदान में उतरते जा रहे थे!

हंटर जैसे शक्तिशाली संगठन  
के अलावा कोई और ताकतवर  
गुप भी था, जिसने जैकब को  
हंटर से पहले ही उड़ा लिया था।

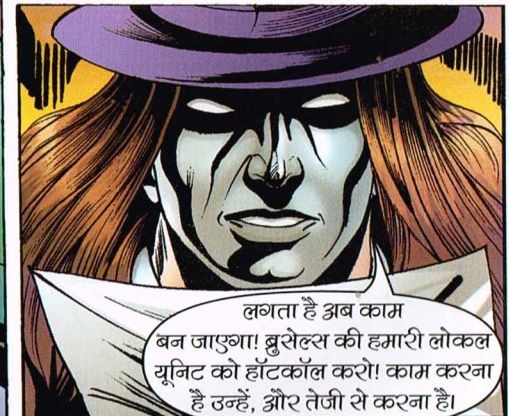
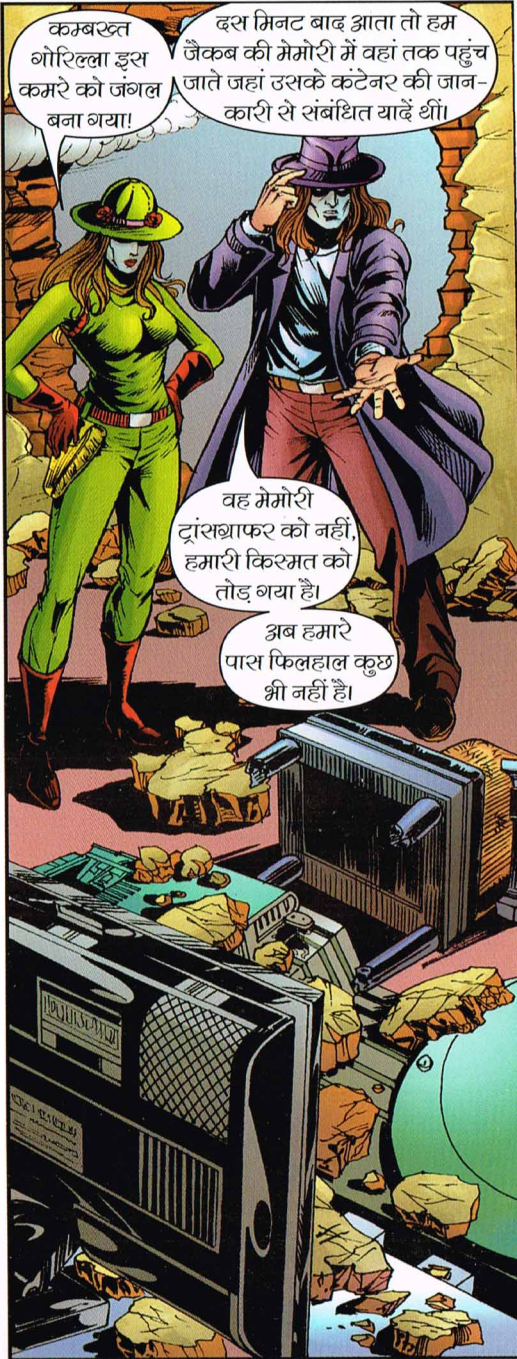
यह बात शायद लड़की का साथी सिल्वर  
मार्कधारी खुद भी समझ गया था।

**सुको!!**

HIGH QALITI RAJ COMICS KE LIYE  
<http://rajecomicsworld.blogspot.in/>  
<http://rajecomicsworld.blogspot.in/>







“अब वह कंटेनर श्री हमारा होगा और उसमें रखा सारा सामान श्री। ध्रुव और दुश्मनों के हाथ आखिरी खाली हवा!”



सुनाना क्या...



मानता हूं, तुने मुझे चौंका दिया। कहानी में इस दिवस्ट के होने का आभास तो मुझे भी नहीं था।

...में तुझे ही कहानी बना दूंगा! तू इस वक्त गिलीगिली के सामने है, लड़के!

प्रकृति की शक्तियां मेरी अंगुलियों पर नाचती हैं!!



आऽऽह! यह.. ऐसा कैसे कर सकता है!



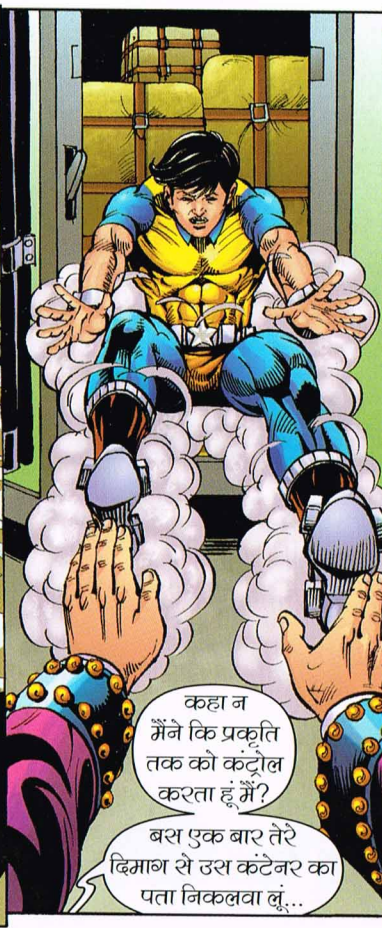
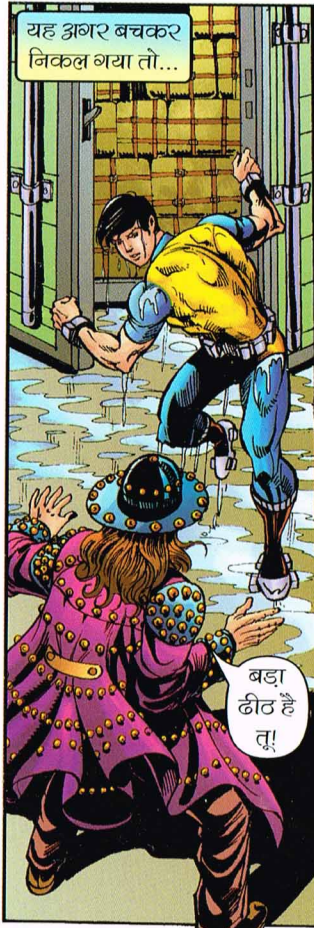
कंटेनर तो अभी तक यहां नहीं पहुंचा है। पर अब दिवस्ट तो मैं तुमसे कराऊंगा! और तुमसे पूरी कहानी श्री सुनूंगा!

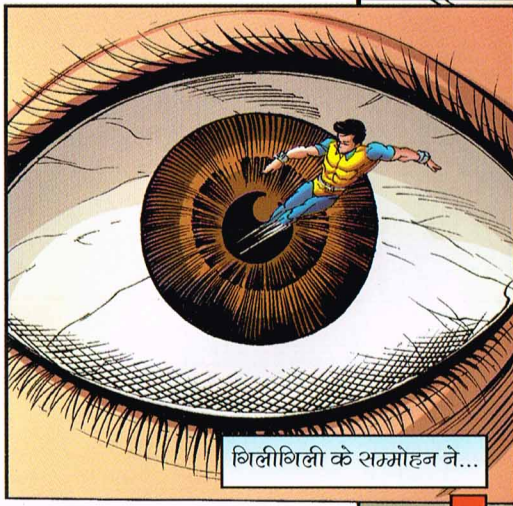
सिर चकरा गया! अप्रत्याशित वार था!

पर मुझे संभालना होगा अपने आपको!



यह जरूर प्राचीन सम्मोहन और मैजिक ट्रिक्स का मिलाजुला प्रयोग कर रहा है।





गिलीगिली के सम्मोहन ने...

...जिनसे ध्रुव भी अब तक अंजान था जो ध्रुव की याददाश्त में तो थीं, पर यादों में नहीं।

अरे! अरे! दो न, पाशा चाचा! पानी है मेरे गिलास में मूझे प्यास लगी है!

पानी? मैं SSS जादू के डंडे से देख रहा हूँ...



कंटेनर के नंबर की तलाश में...

ध्रुव के दिमाग की पर्तों को भेदना और उधेड़ना शुरू कर दिया था।



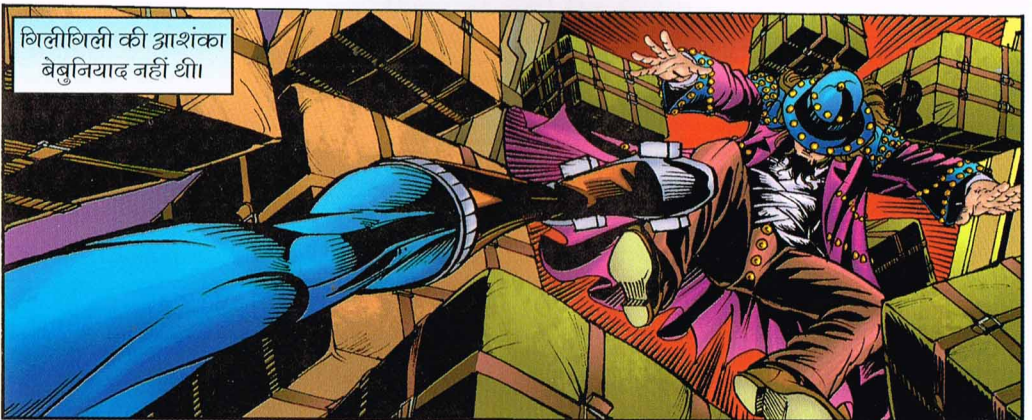
ध्रुव के दिमाग के तल में शांत पड़ी यादों में खलबली मचने लगी थी। उन यादों में भी...



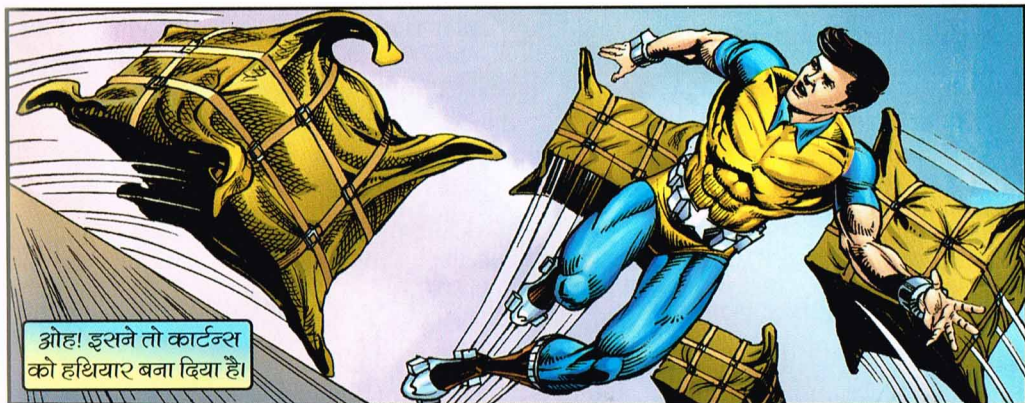












ओह! इसने तो कार्टन्स को हथियार बना दिया है।



मेरा दिमाग मुझे कैसे दृश्य दिखा रहा है?

पर मुझे बचना होगा, मैं रिरक नहीं ले सकता।

गिलीगिली के वशीकरण ने...



ध्रुव को पूरी तरह से भ्रमित कर दिया था।

ये कार्टन्स तो ऐसे हरकत कर रहे हैं जैसे इनमें जान पड़ गई हो।



ये संख्या में भी ज्यादा हैं और इनका साइज भी इतना बड़ा है, कि बचना...

संभव नहींऽऽऽ!  
ओऽऽऽ!

**इयाऽऽऽऽऽ!**

एक भारी कार्टन ने ध्रुव को अपने नीचे दबाया।

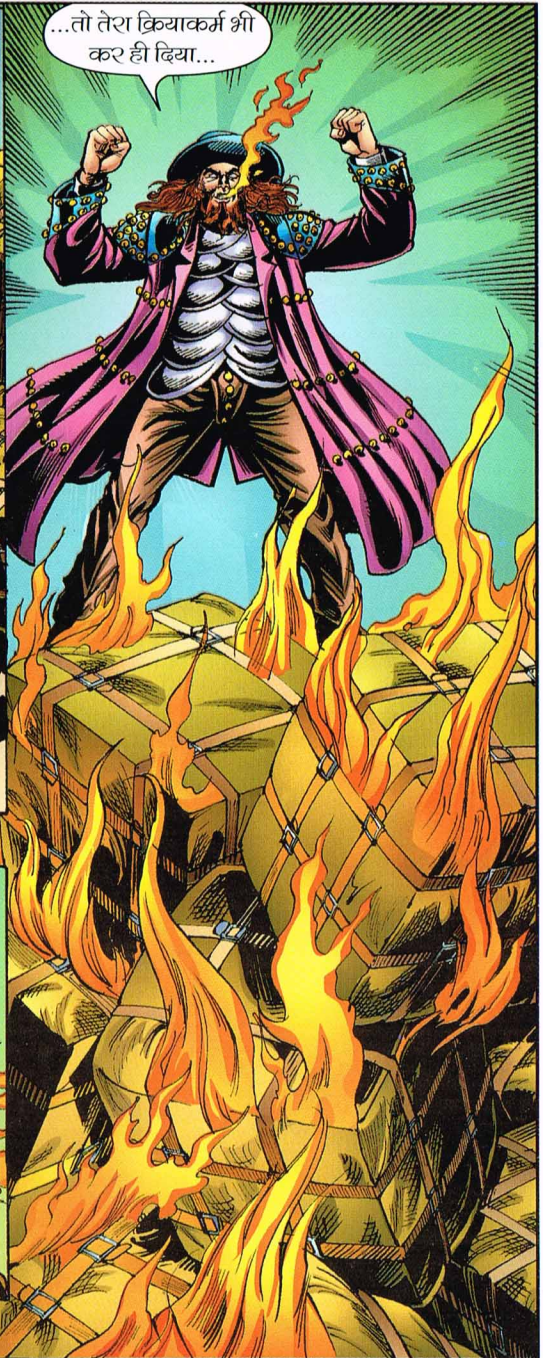
और फिर एक के बाद एक भारी कार्टनों का पहाड़ ध्रुव के ऊपर जमा होने लगा।



हल्लाहल्ला!

अब तक तो तेरी हड्डी पराली टूट कर एक हो गई होगी। लेकिन फिर भी मैं कोई रिस्क नहीं लूंगा।

...तो तेरा क्रियाकर्म भी कर ही दिया...



जब तेरा शरीर, मिट्टी बन ही चुका है...







इस बार ध्रुव के पास बचने का कोई मौका नहीं था।

आऽऽऽह! ऐसा... यह कैसे... कर... पा रहा है?

खैर! मुझे तो... यह सोचना है कि मैं इससे कैसे बच पाऊंगा?

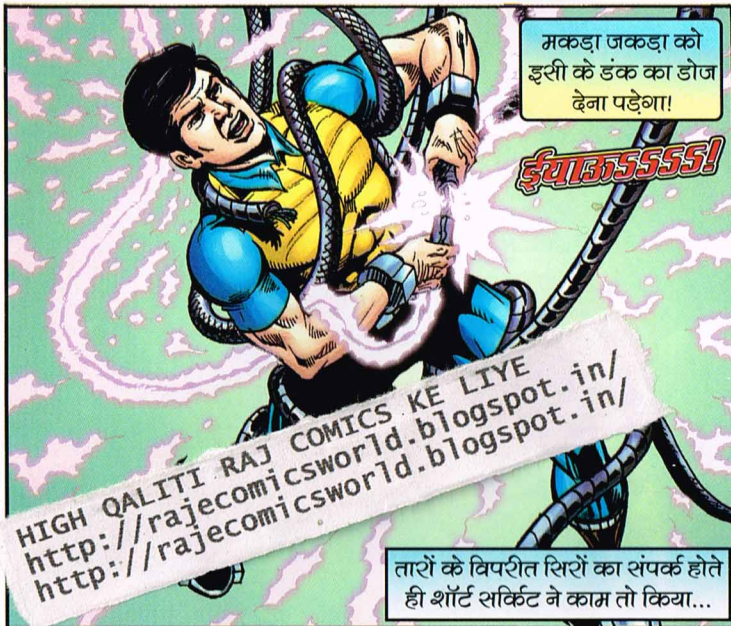
क्योंकि न मैं कंटेनर का नंबर बताऊंगा और न मैं बचूंगा!

शरीर कमजोर होने के साथ-साथ, इसका वशीकरण मेरे दिमाग पर हावी होता जा रहा है!!

कहीं मैं वाकई कंटेनर का नंबर न बता बैठूं!



मुझे आजाद होना ही होगा!



मकड़ा जकड़ा को इसी के डंक का डोज देना पड़ेगा!

**ईयाऊऽऽऽऽऽ!**

HIGH QALITI RAJ COMICS KE LIYE  
http://rajecomicsworld.blogspot.in/  
http://rajecomicsworld.blogspot.in/

तारों के विपरीत सिरों का संपर्क होते ही शॉर्ट सर्किट ने काम तो किया...



पर पूरा नहीं!

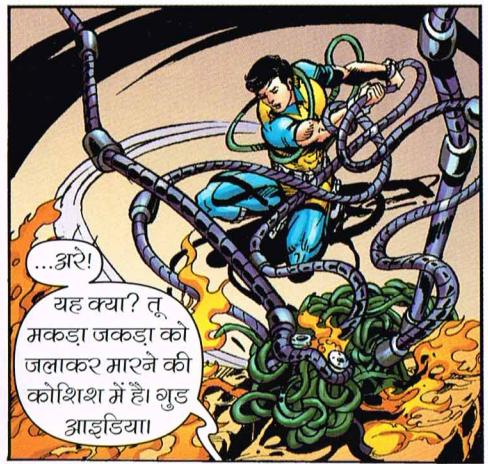
इस शॉक से मकड़ा जकड़ा कमजोर तो हुआ था...



पर अभी भी वह धुव से कई गुना ज्यादा शक्तिशाली था।

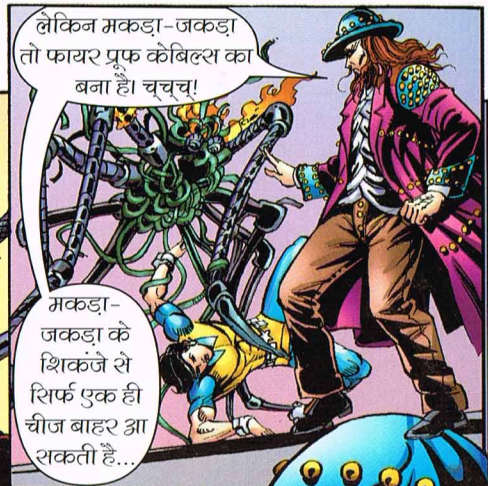
अभी भी तू अपनी जान बचा सकता है। नंबर बता दे और मेरा समय बचा ले!

क्योंकि तेरा समय तो पहले ही खत्म हो चुका...



...अरे!

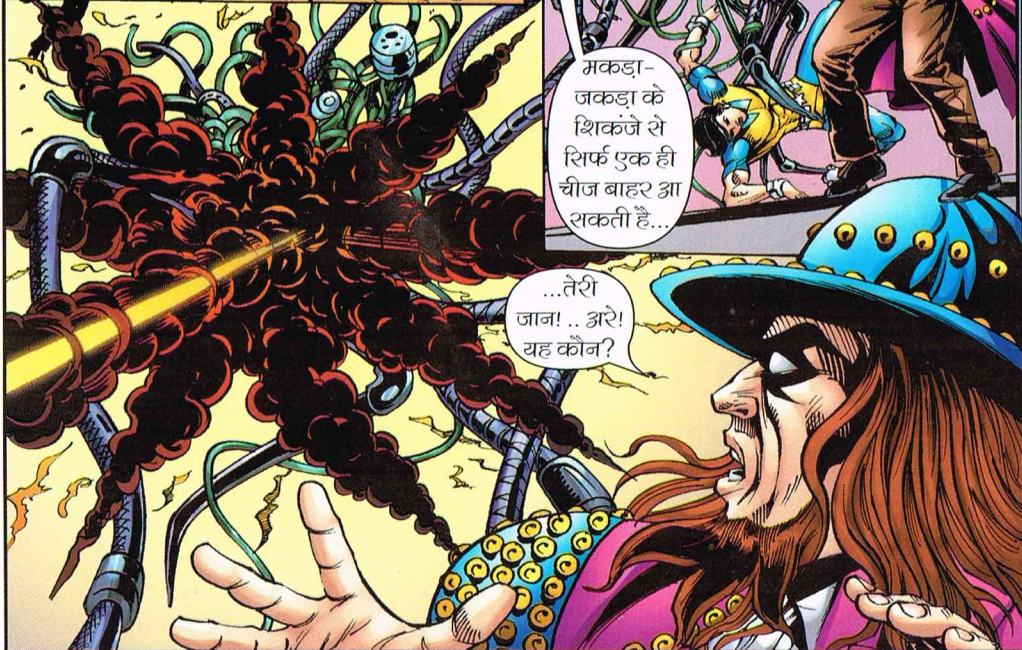
यह क्या? तू मकड़ा जकड़ा को जलाकर मारने की कोशिश में है। शुद्ध आइडिया।



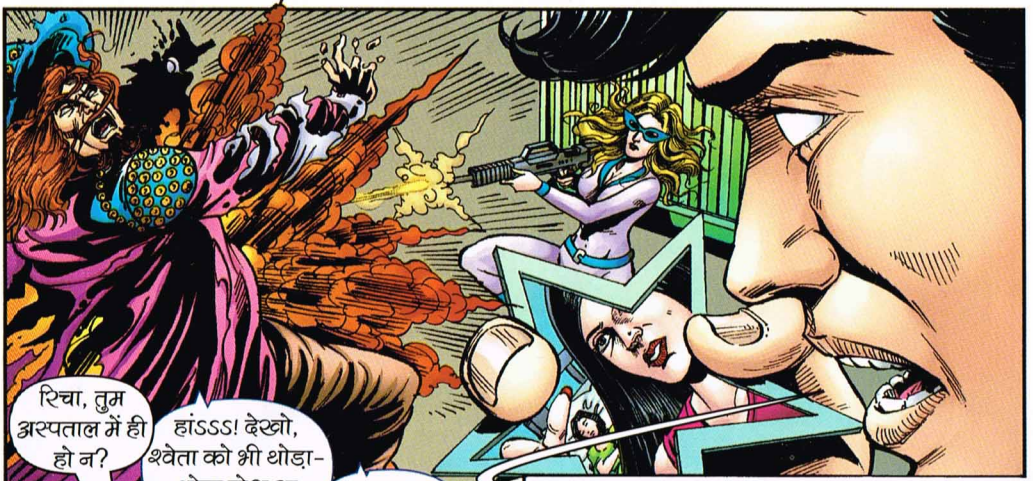
लेकिन मकड़ा-जकड़ा तो फायर प्रूफ केबिल का बना है। चूचू!

मकड़ा-जकड़ा के शिकंजे से सिर्फ एक ही चीज बाहर आ सकती है...

...तेरी जान! .. अरे! यह कौन?







रिचा, तुम  
अस्पताल में ही  
हो न?

हांSSS! देखो,  
श्वेता को भी थोड़ा-  
थोड़ा होश आ  
रहा है।

क्या हुआ  
कोई प्रॉब्लम है  
क्या?

यहां, राजनगर  
शिपयार्ड में...चंडिका  
आई है यहां पर!  
गड़बड़ है!!

मैं भी तो  
टूट गया हूं!



शिपयार्ड  
में चंडिका आई  
है। तो?

इससे  
क्या...



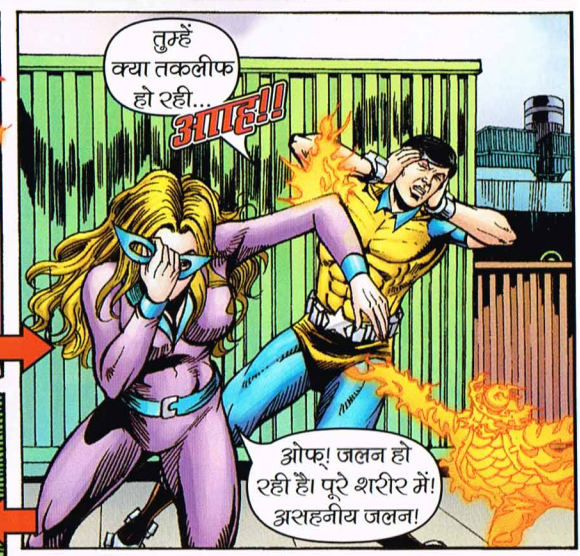
हैलो!...  
हैलो!

अरे! मेरा  
स्टार ट्रांसमीटर  
टूट रहा है या यह  
भी सम्मोहन का  
असर है?



ओ गॉड!

मुझे इसके  
असख्य बौने रूप  
चारों तरफ उड़ते  
नजर आ रहे हैं।









इसका स्थाई ईलाज करना पड़ेगा।

हाई स्पीड पर बहराकर उड़ते घातक ड्रोन की गति और दिशा भांपकर...



उस पर सटीक वार करना, उस स्त्री की कुशलता की गवाही दे रहा था।

बुल्स आई!

फिर आ रहा है। किसी ठीठ मेटल का बना लगता है।

और भारी चीज चाहिए...



...वार करने के लिए!

बड़ी सख्त-जान है!! और इसके पास अभी भी तीन मिसाइलें बची हैं।

जंगल में हो रहे धमाकों ने...



वन्य जीवों में दहशत पैदा कर दी थी।

और वे राजनगर की तरफ भाग रहे थे!



कहीं ये धमाके...

कहीं फिर कोई खतरा श्वेता की तरफ तो नहीं बढ़ रहा?

हो भी सकता है और नहीं भी।



पर इस वक्त यहां पर न तो मिसेज मेहरा हैं और न मिस्टर मेहरा!

पहरा तो पूरा है, पर आंटी मुझसे कहकर गई हैं, कि वे मंदिर होकर जल्द ही आ जाएंगी।



ये क्या? ये तो... जंगली बंदर हैं और जंगली बगुलो!

ये राजनगर की आबादी में क्यों घुसे आ रहे हैं?

मैंने एक दो धमाकों की बड़ी हल्की सी आवाज तो सुनी थी।



जंगल में ही तो नहीं हो रहे! आंस!

धमाके वहीं पर हुए हैं। और धुंए की लहर की मोटाई बता रही है कि धमाकों का क्रम इसी तरफ सरक रहा है।

लेकिन अगर यहां बैठकर, उसे यहां तक पहुंचने का मौका दिया तो खतरा बढ़ जाएगा!

अगर खतरा है तो उसे राजनगर के बाहर ही रोकना होगा!





अगर मैं गई और पीछे से कोई मेहमान आ धमका तो? जैसे अभी वह नाटकबाज नताशा आ धमकी थी।

पर असली सवाल यही है कि अगर खतरा है और वह यहां पर आ धमका तो?

और इस सवाल के आगे बाकी, शारे सवाल बेकार हैं।

जवाब है कि...



...ब्लैक कैट जाएगी!

ऊफ! इस ड्रोन के रहते मैं अपनी गुप्त जगह पर नहीं जा सकती! और यह नष्ट होने का नाम नहीं ले रहा है।

यह किंग लडखड़ा क्यों रहा है?



हमारी गति जरा सी भी धीमी हुई तो ड्रोन को हम पर निशाना लगाने का मौका मिल जाएगा...

किंग पर बेहोशी की दवा अब असर कर रही थी।

और आंटी जी के आने से पहले काम पूरा करके वापस आएंगी!



उस धमाके के वेग ने तीनों को जमीन पर ला पटक। उनकी गति धम गई!

और अब वे मिसाइल के  
लिपु 'बुल्स आई' के समान  
थे! निशाने स्थिर थे...

...पर निशाना  
लगाने वाला ही  
हिल गया...

...अंदर तक!

यह सर्कस का ट्रेंड गोरिल्ला लगता  
है और मैं सिर्फ एक ट्रेंड सर्कस  
गोरिल्ला किंग को जानती हूँ!

अगर यह किंग है तो  
क्या वह आधे जले चेहरे  
वाला व्यक्ति जैकब है?

पर यह औरत  
कौन?... ओSSS!

ड्रोन पॉवरफुल है।  
मुझे ही खींच लिया।

यह ड्रोन तो अब मेरी  
तरफ मुड़ रहा है!!

पर वह औरत  
कहां गई?

वह रही। पर...

यह भाग रही है या...











न जाने कितनी देर तक दोनों जमीन पर निश्चल पड़ी रहीं।



पर धमाके का ज्यादा जोर ब्लैक कैट ने झेला था।

ओफ़! सिर में भीषण दर्द हो रहा है।

मुझे यहां से.. जाना होगा।

किधर जाना है मुझे...?



इधर!



...वह जंगल से बाहर राजनगर एक्सप्रेस हाईवे पर आ चुकी है।

BALASIR 210M

N.H. 152

रामसिंह! ब्रेक लगाओ!!

सुकीईईच

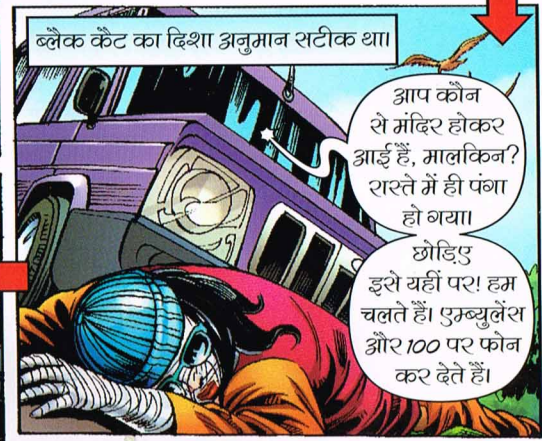


यह...इधर मैं किधर जा रही हूं, कुछ समझ नहीं आ रहा है।



अब जंगल में यह सड़क कहाँ से आ गई?

उस औरत को यह आभास नहीं था कि...





चुप करो!  
वर्ना तुम्हें साहब  
की ही ड्राईविंग पर  
लगा दूंगी!  
अब चलो  
अस्पताल!

ओह! इसने साधी तैयार  
कर रखे थे गाड़ी भी देख ली  
और गाड़ी का नंबर भी। अब  
इसका पता तो मैं लगा ही लूंगी।



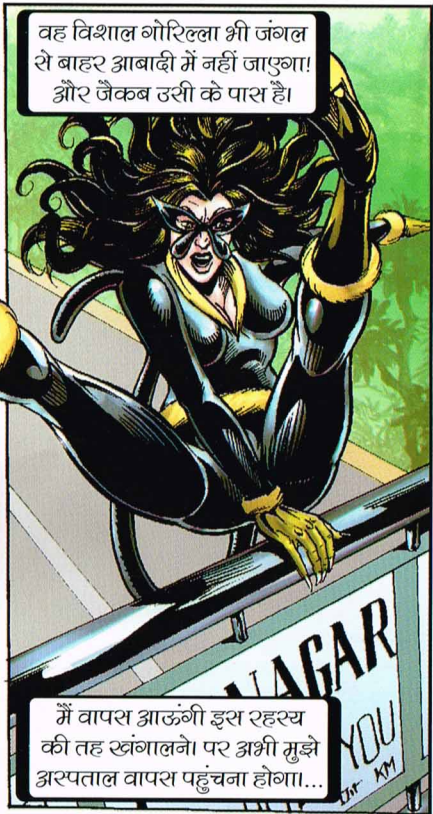
"क्योंकि मैं आंटी का  
गुरसा नहीं, झेल सकती।"

अब कम से  
कम अस्पताल पहुंचने  
तक यह सुरक्षित तो  
रहेगी!

वहां न  
जाने इसका  
क्या होता?

आखिर है  
तो यह औरत ही  
न! हम तो वैसे भी  
अस्पताल ही जा  
रहे हैं।

यही तो मुसीबत  
है। मुंह पर पट्टी वाली  
औरत है यहा हमें तो किसी  
गैंग की लगती है।



वह विशाल गोरिल्ला भी जंगल  
से बाहर आबादी में नहीं जाएगा!  
और जैकब उसी के पास है।

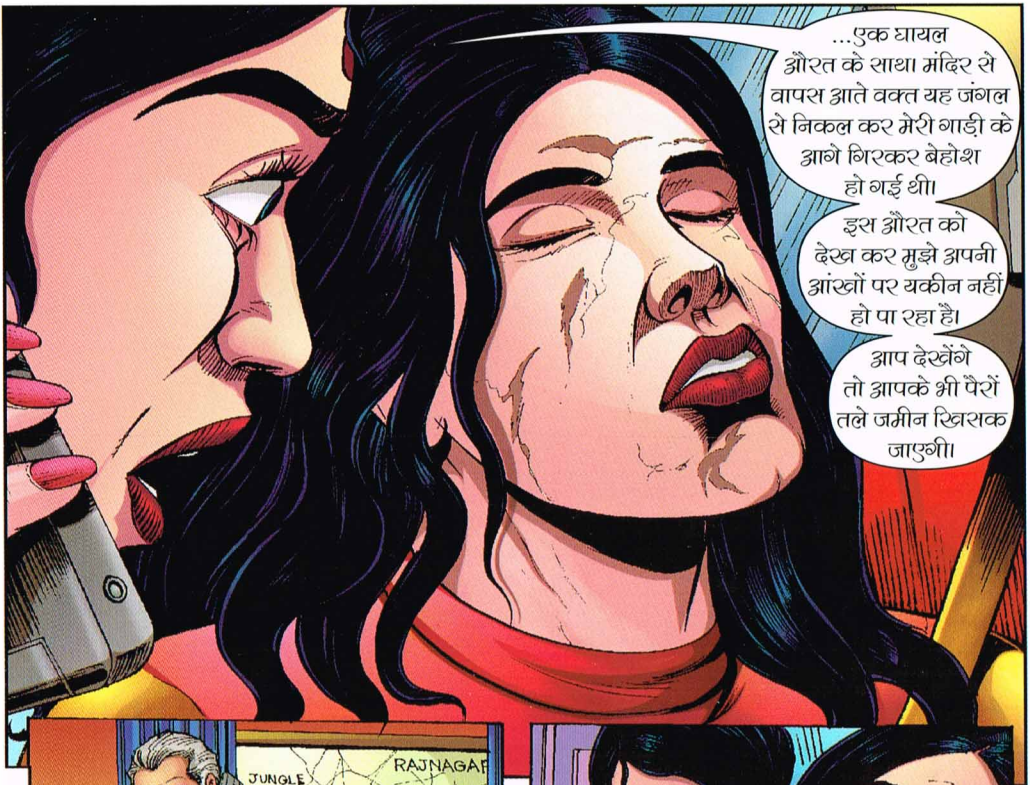
मैं वापस आऊंगी इस रहस्य  
की तह खगलने पर अभी मुझे  
अस्पताल वापस पहुंचना होगा...



पता नहीं पट्टी के  
नीचे इसकी सांस भी चल  
रही है या नहीं!

HIGH QUALITY RAJ COMICS KE LIYE  
<http://rajecomicsworld.blogspot.in/>  
<http://rajecomicsworld.blogspot.in/>





...एक घायल  
औरत के साथ मंदिर से  
वापस आते वक्त यह जंगल  
से निकल कर मेरी गाड़ी के  
आगे गिरकर बेहोश  
हो गई थी।

इस औरत को  
देख कर मुझे अपनी  
आंखों पर यकीन नहीं  
हो पा रहा है।

आप देखेंगे  
तो आपके श्री पैरों  
तले जमीन खिसक  
जाएगी।



यह क्या पहेलियों  
में बातें कर रही हो रजनी?  
साफ-साफ कहो जो श्री  
कहना चाहती हो।

मैं अभी एक  
जरूरी मीटिंग में हूं।  
पहेलियां बूझने का समय  
नहीं है मेरे पास।



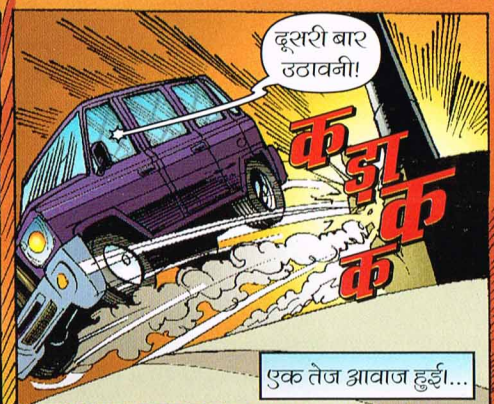
पहेली ही तो है  
यह औरत! और इस  
पहेली को सुलझाने के  
लिए आपको समय  
निकालना होगा।



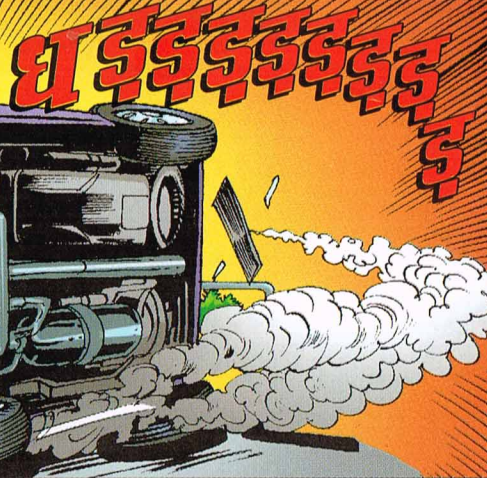
हम बस दस  
मिनट में अस्पताल  
पहुंच रहे हैं। आप  
श्री पहुंचिए!

कुछ तो  
बताओ हुआ  
क्या है?

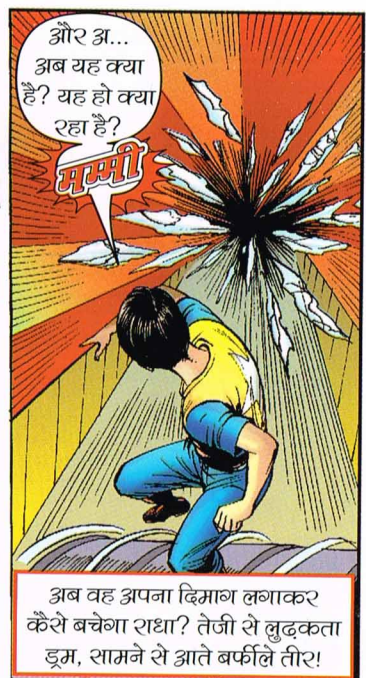
मैं... मैं  
कहां हूं?



और उसके बाद सन्नाटा छा गया।











जबकि बेसब्री में गोता लगाता हुआ गिलीगिली ध्रुव के दिमाग में उस ख़ास कंटेनर का नंबर तलाश रहा था-



इतनी देर तक मौत को गिलीगिली ने कभी इंतज़ार नहीं कराया...

मैं जानता हूँ तू मौत से नहीं डरता! जबान नहीं खोलेंगा!



पर तू सिर्फ अपनी मौत से ही नहीं डरता...



...या किसी की भी मौत से नहीं डरता?

अपनी बहन को तो मौत के दरवाजे तक धकेल ही चुका है तू अब क्या अपनी दोस्त को उस पार पहुँचाएगा?

तेरे पास सिर्फ तीन सेकेंड हैं नंबर उगलने के लिए।

एक!

यह सीरियस है। और नताशा का दिमाग इसके कब्जे में है!

मेरे हरकत में आने तक अनहोनी घट जाएगी।



दो!

फिलहाल कंटेनर का नंबर बताना ही होगा चाहे झूठा ही...

इधर ध्रुव का मुँह खुला...



उधर गिली-गिली का...

ती...

लेकिन दोनों की ही आवाजें  
निकलने से पहले नताशा  
की चीख उबल पड़ी।

किक के एक ही वार ने नताशा के होश हर  
लिपु। खास मर्मस्थल पर सटीक वार था वह!

किसी मंझे हुए  
फाइटर का वार!

य... यह  
क्या हो रहा है? उसी  
पोशाक में एक और  
लड़की!!

क्या चक्कर है? मेरे  
पास पहेलियां सुलझाने  
का वक्त नहीं है!

या...कहीं... यह गिलीगिली  
का ही कोई नया  
वशीकरण वार तो नहीं है?



यह कटा हुआ सूट  
तो मैंने घर पर संभाल  
कर रखा था।

यह...सूट  
इसे कैसे मिला?  
कौन है यह?

वैसे तो मैं तुम्हारी  
मदद जरूर करती, पर  
मुझे पता है कि तुम इससे  
अकेले ज्यादा अच्छी तरह  
से निपट लोगे।



दिवकत हो  
तो उस बॉक्स का  
यूज करना!

इतना व्यवधान  
मैंने अपनी जिंदगी में  
कभी नहीं झेला।



अब मैं तेरे  
दिमाग की पूरी  
चीर फाड़ कर  
डालूंगा!



य... यह क्या  
हो रहा है?

समुद्र में ऐसे  
झरने फूट ही नहीं  
सकते! असंभव है  
येSSS!

आऊSSS!  
गड़बड़!



इतनी तकलीफ दूंगा तुझे कुछ ही  
सेकंडों में सब बक देगा!

तबाही से तकलीफ  
होती है न तुझे! तो ले! देख तबाही  
का ऐसा मंजर जिसे देखकर तेरा  
दिमाग भी फट पड़ेगा!



ओफ! पता नहीं यह इसका  
जादू है या पहले से फिट  
असली बमों का धमाका!

पर एक बात सच है।  
इनसे मुझे बेइतहा  
तकलीफ हो रही है!

इसे रोकना होगा।







मुझे अपनी  
आंखों को बंद  
करना पड़ेगा!

तभी मैं इसके  
भ्रमजाल से उबर...

अरे! यह  
बॉक्स!!



इसे तो वह लड़की...  
चंडिका देकर गई थी!

क्या है इस  
बॉक्स में?



ओफ़! इसमें किसी पेड़ की जड़ है।  
और इसमें से तेज महक आ रही है...



महक के फैलते ही  
धुंध होने लगी और-



अरे! गिलीगिली  
लड़खड़ा रहा है!!

और इसके प्रतिरूप  
गायब हो रहे हैं।

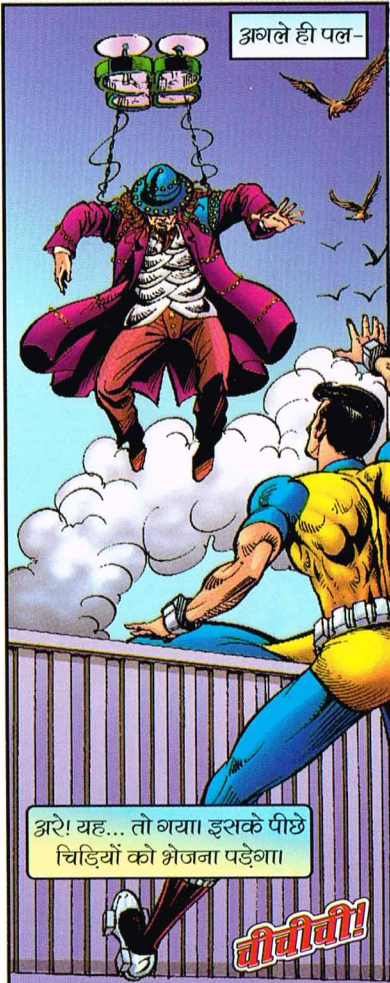
य...यह तो दुर्लभ  
'सलगाही वट' की महक  
जड़ है। मुझे इससे एलर्जी है!  
मेरी... मेरी सांस उखड़  
जाती है इसकी  
महक से!

पर.. यह  
अत्यंत गुप्त बात...  
चंडिका कैसे जान  
सकती है?



गिलीगिली  
को यह क्या हो  
रहा है?

इसे वापस  
बुलाओ। अगर यह धुंध  
के हाथों में पड़ गया तो  
गजब हो जाएगा।







जिस इंसान का रास्ता तूफान  
भी नहीं रोक पाए थे, उसे कागजों  
की कैद ने बांध लिया था!

अब यह स्टोन वाला  
एंगल क्या है? यह इतने  
सालों बाद एकाएक  
कहां से टपक पड़ा?

क्या यह कंटेनर मुझसे दूर  
रखने का आखिरी मोहरा  
था? क्योंकि मुझे सिर्फ एक  
ही चीज रोक सकती है।

कानून!

और अब उसके पास  
जाने के लिए कोई जगह  
नहीं बची थी।

CALL  
**RICHA**  
MOBILE  
DAY 1 RAY

“धुव! कहां हो तुम? जल्दी अस्पताल  
पहुंचो। आंटी को अभी-अभी अस्पताल  
लाए हैं। ... एक्सीडेंट हो गया है उनका!...  
हैलो... हैलो! तुम सुन रहे हो न?... हैलो!!

मम्मी का एक्सीडेंट!

यह संयोग नहीं हो सकता! और फिर... डॉकयार्ड पर चंडिका का आना कैसे संभव है, जबकि श्वेता अभी बेड से उठ भी नहीं सकती!

"...तो वह चंडिका बनी लड़की थी कौन?"

यह..म..में कहां हूं? और तुम... तुम कौन हो?

कमाल है तुम मुझे नहीं पहचानती? मैं चंडिका हूं! ध्रुव की दोस्त! तुम तो जानती हो मुझे।

सवाल ये है कि तुम कौन हो? ध्रुव की दोस्त या दुश्मन से भी बदतर दोस्त! याद करो!

तू चंडिका नहीं हो सकती! अच्छी तरह जानती हूं मैं उरो! तू उसका कोई सेकंड हैंड एडिशन है।

मैं तो ध्रुव की मदद करने वहां गई थी। पर तेरा क्या मकसद है? तू खुद बता कि तू कौन है?

जवाब दे चुकी हूं मैं!

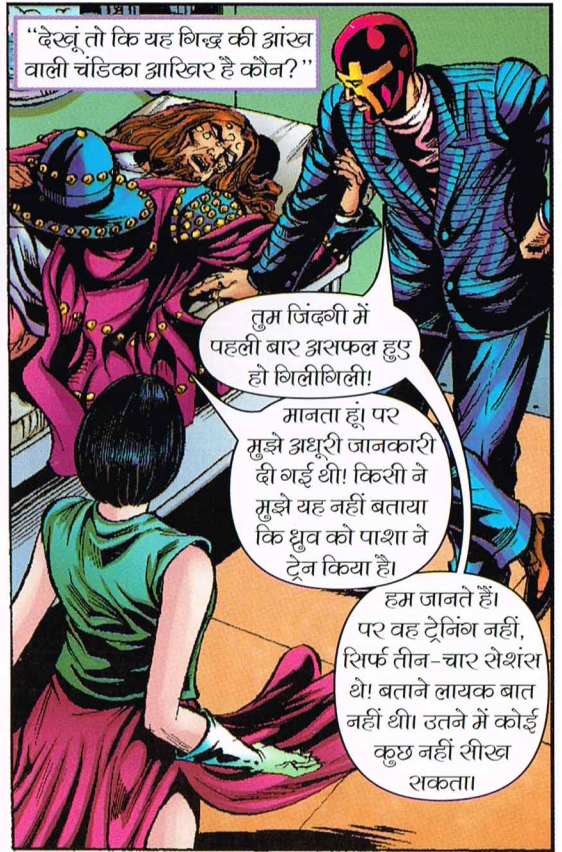
वैसे तुम ध्रुव की मदद करने ही आई थीं, ताकि वह हार न जाए! उसके हारने से तुम्हें कुछ नुकसान होना था या शायद!

HIGH QUALITY RAJ COMICS KE LIYE  
<http://rajecomicsworld.blogspot.in/>  
<http://rajecomicsworld.blogspot.in/>

तुम गिलीगिली को पहले से जानती थीं। उलूक को भी जानती थीं। और यह भी जानती थीं कि वे हंटर्स हैं।

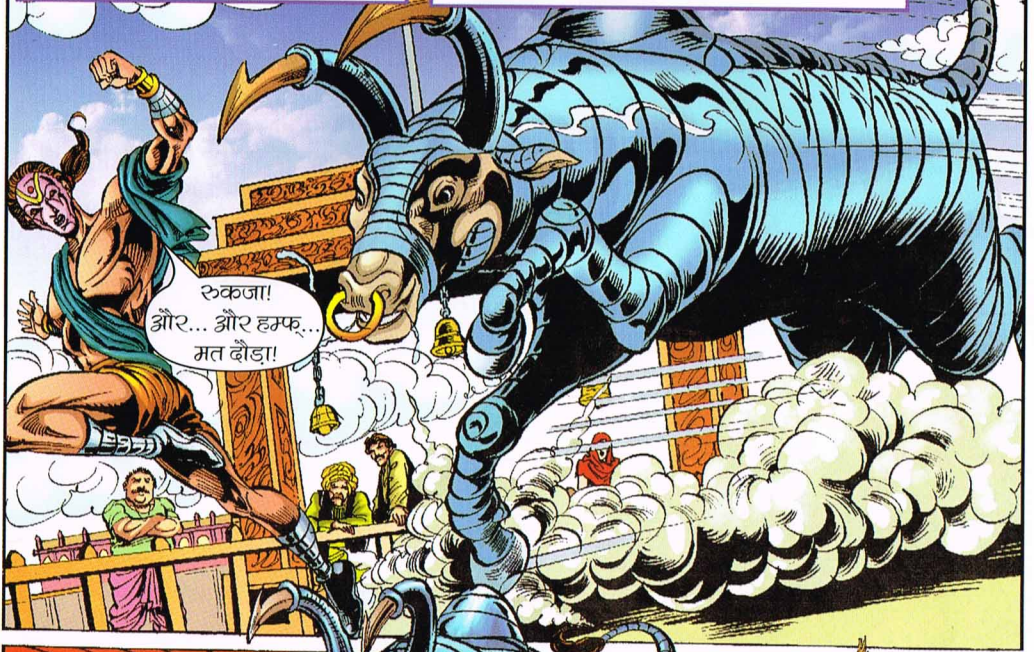
और हंटर्स का जीतना मतलब तुम्हारा हारना है। सच है न?

काफी जानती हो तुम! फिर यह तो जरूर जानती होंगी...

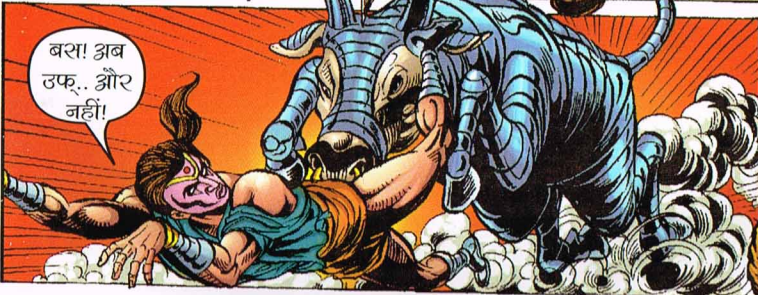


"वह जानती थी कि मुझे दुनिया में सिर्फ एक चीज से एलर्जी है। दुर्लभ सलवाही पेड़ की जड़ से! वह यह बात कैसे जानती थी?"

यह बात तू महंत महाराज को जरूर बताना शायद वे तेरी जान बरूश दें। घंटे भर में हम वहां पहुंच जायेंगे। फिर तुझे या वैद्यराज देखेंगे या मौत!



रुक जा!  
और... और हमफ...  
मत दौड़!



बरा! अब  
उफ... और  
नहीं!



मैंने कहा  
न, बरा! क्षमा  
कर!



यह कैसी  
बलि है? कौन  
सा तरीका  
है यह?

तू नया है न!  
वक्र कुमार सबको  
बराबर का मौका  
देते हैं।



“हां, तो सांड को बराबरी का मौका दिया जा रहा है न!”

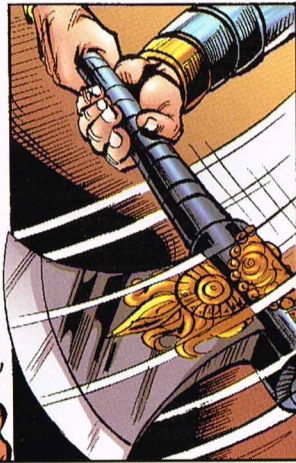
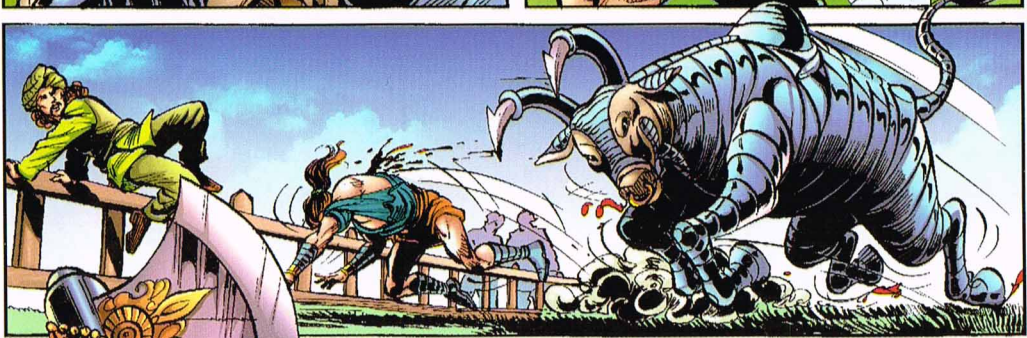
“और वक्र को निहत्था मत समझो!”

“उसे महंत महाराज ने दो साल की उम्र से ही तपाना शुरू कर दिया था। उसको जो ट्रेनिंग दी गई है वह बस पूछो नहीं...”

यह कौन सा बराबरी का मौका है कवच पहने शिकारी सांड के आगे एक निहत्था युवक!

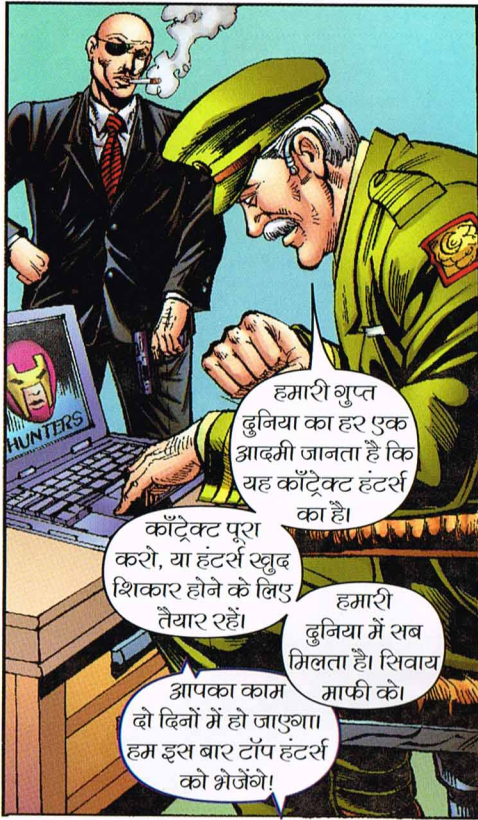
“साक्षात मौत सामने टिक पाए तो टिक पाए!”

कुड़कुड़









...और मटेश की तयोरियां चढ़ने लगीं।

भीतरघात हो रहा है हमारे साथ। कोई हमारे शिकारों को पुल्ट भेज रहा है। पता करना होगा उसका?

लेकिन उससे पहले हमें कंटेनर का पता चाहिए! जो अब तक रहस्य बना हुआ है।

रहस्य खुल चुका है!

कंटेनर का पता मिल चुका है।

मिल गया। पर कैसे?

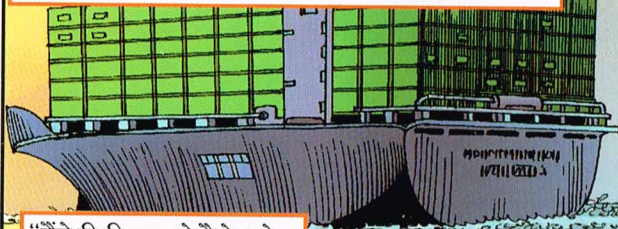
मेरा अपना प्लान अलग चल रहा था बाबा!

और अब मैं खुद जाऊंगा उस कंटेनर को लेने!

समय कम है। हम किसी और ऑपरेटिव पर भरोसा नहीं कर सकते।

पर... तुम्हें कंटेनर का पता चला कैसे?

“जबान जवाब नहीं देती, दिमाग देता है! उस पर जरा सा जोर डालो तो दबे संतरे के रस की तरह सारी जानकारी फुहार बनकर बाहर आ जाती है। ध्रुव के दिमाग पर जोर डाला मैंने।”



“मैंने ही दीवान को मैसेज भेजा था कि गिलीगिली को ध्रुव का सामना करने के लिए भेजे!”

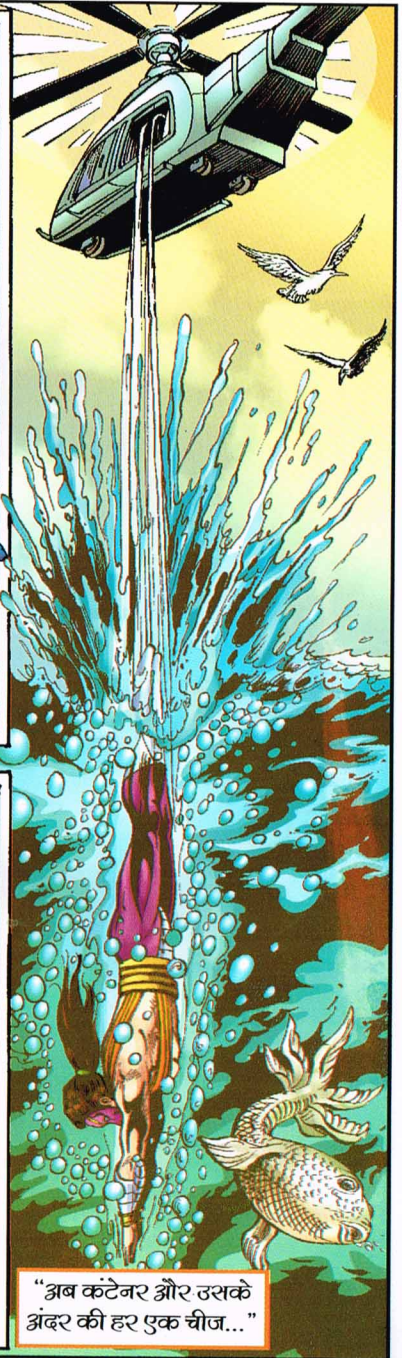


“मुझे पता था उलूक और फिर गिलीगिली से टकराने के बाद ध्रुव खतरे की तीव्रता को भांप जाएगा; और कंटेनर जहां पर श्री होगा, उसकी सुरक्षा का इंतजाम जरूर करेगा।”

“और वर्तमान परिस्थिति में वह सुरक्षा केवल कमांडो फोर्स के जरिए ही हो सकती है! कमांडो फोर्स पर मेरी नजर गड़ी थी...”



“और मेरी जानकारी के अनुसार वे इस वक्त मॉरीशस से राजनगर आने वाली कंटेनर शिप अलजजीरा की तरफ बढ़ रहे हैं।”

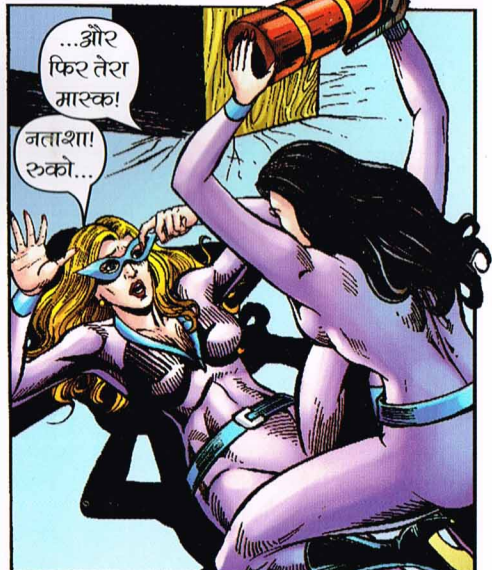


“अब कंटेनर और उसके अंदर की हर एक चीज...”











...रुक जाओ। मैं हूं, मैं!!

द्विरटी, तू! तू... क्या कर रही है? बांधा क्यों था मुझे?

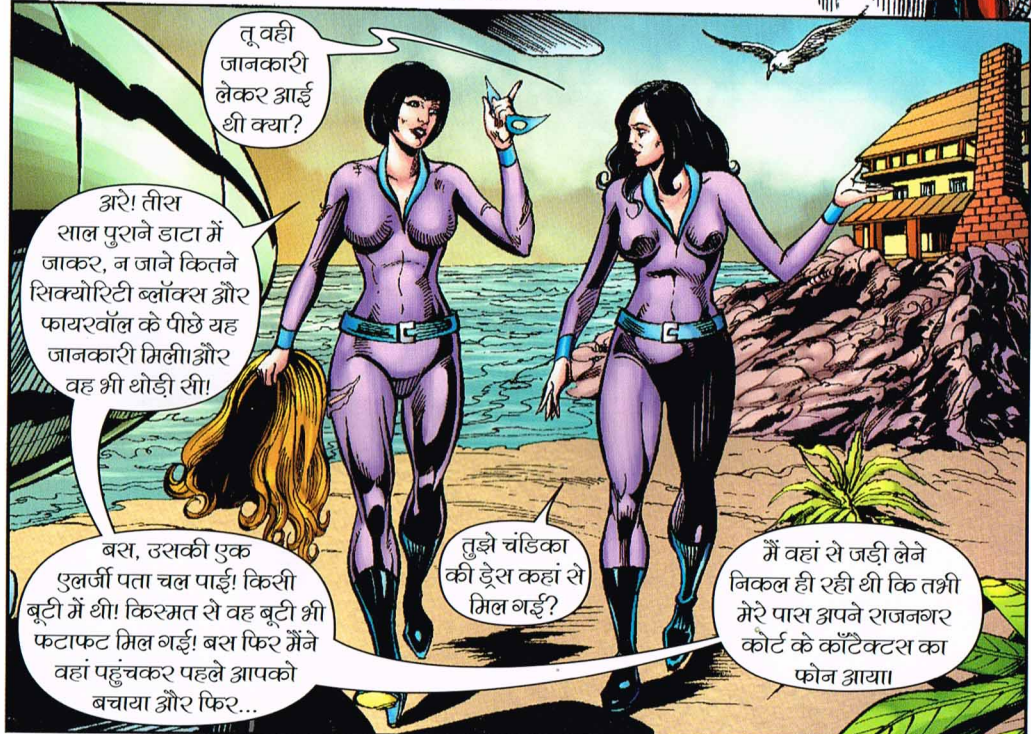
चेक करना था कि तुम गिलीगिली के अंतर से बाहर आ गई हो या नहीं! तुम्हें गिलीगिली से बचाकर लाई हूं यहां पर! यह तुम्हारी ही तो हाइडआउट है!



ह...हां! मैं ध्रुव की मदद करने आई थी। फिर क्या हुआ?

यह तो याद है न कि तुमने वहां जाने से पहले मुझसे उस जादूगर की छानबीन करने को कहा था!

गिलीगिली की डिटेल और कोई कमजोरी ढूंढने को कहा था।



तू वही जानकारी लेकर आई थी क्या?

अरे! तीस साल पुराने डाटा में जाकर, न जाने कितने सिक्योरिटी ब्लॉक्स और फायरवॉल के पीछे यह जानकारी मिली। और वह भी थोड़ी सी!

बस, उसकी एक उलर्जी पता चल पाई। किसी बूटी में थी। किरमत से वह बूटी भी फटाफट मिल गई। बस फिर मैंने वहां पहुंचकर पहले आपको बचाया और फिर...

तुझे चंडिका की ड्रेस कहां से मिल गई?

मैं वहां से जड़ी लेने निकल ही रही थी कि तभी मेरे पास अपने राजनगर कोर्ट के कॉन्टैक्शन का फोन आया।



उन्होंने बताया कि ध्रुव की सारी चल-अचल संपत्ति पर दावा ठोंक दिया गया है। ध्रुव की संपत्ति लील हो गई है। वह अपने घर तक नहीं जा सकता।

मैंने सोचा कि खबर में सच्चाई कम लगती है। इरीलियु में वहां से सीधे ध्रुव के घर की तरफ चली गई।

खबर सही निकली!

पर वहां पहुंचते ही हाथ लपक की बुरी आदत जाग गई। सोचा आई हूं तो एक-दो यादगार तो ले चलूं!

चंडिका की एक ड्रेस वहां मिली। परस बनी हुई। ड्रेस पता नहीं वहां थी क्यों और छिपा कर क्यों रखी थी? बस, मैं वही पहन कर आ पहुंची। मजे का मजा हो गया और मेरा राज का राज रह गया।

पर उस गिलीगिली का क्या हुआ? ध्रुव बच पाया?

ध्रुव को मैंने एक हिंट के साथ जडी की डिबिया तो दे दी थी। बच ही गया होगा।

पर बेचारा बच भी गया तो जाएगा कहा?...

“उसके पास तो न घर है न घाटा।”

तो तुम उस बुद्धू रिचा की बात मान कर यहां आ ही गए। काफी करीबी रिश्ता लगता है तुम्हारा उस लड़की के साथ?

तुमने कैसे मान लिया कि वह सच बोल रही है। यह तुम्हें फंसाने के लिए दुश्मन की कोई चाल भी हो सकती थी।

हो सकती थी! पर रिचा की बातों में मुझे सच्चाई लगी इरीलियु में यहां आया।

लेकिन तुम यहां क्यों आई हो? मुझे तुम्हारी मदद की जरूरत नहीं है!

तुम्हें मेरी जरूरत पड़ेगी ही, क्योंकि उस औरत को सिर्फ मैंने देखा है।



हुम! जानती हो, जंगल के इस भाग के ठीक सामने यानि सड़क के उस पार वही मैदान है जहां पर जुपिटर सर्कस का टेंट आखिरी बार लगा था!

बस यह जंगल और दो किलोमीटर अंदर था! अभी यह सड़क के काफी पास आ गया है।

वैसे हम सही दिशा में जा रहे हैं न?



क्यों तुम्हें तो मेरी मदद की जरूरत नहीं थी ना?

खैर! गोरिल्ला और जैकब गपु तो इसी दिशा में थे।

एकदम से इस इलाके में पशु पक्षियों की आवाजें कम हो गई हैं।



सन्नाटा बढ़ गया है। ओऽऽ

ओ माई गॉड! यह क्या हो सकता है?

किसी ने सीमा-चिह्नित की हुई है।

और ये हड्डियां खतरा का निशान हैं। जैसे चेतावनी!



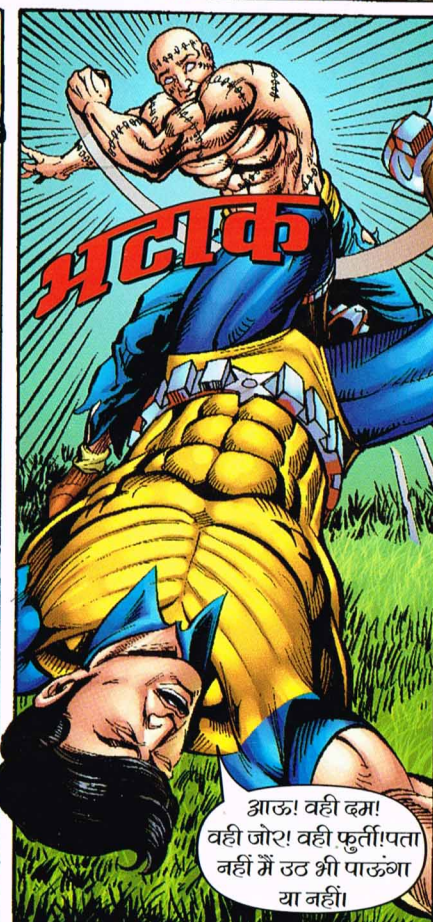
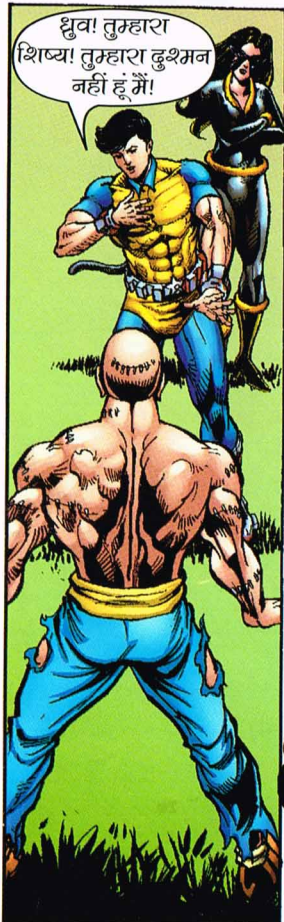
पर... किंग ऐसे इलाके में आगुना क्यों? और आगुना तो किसके पास? ओऽऽऽऽ

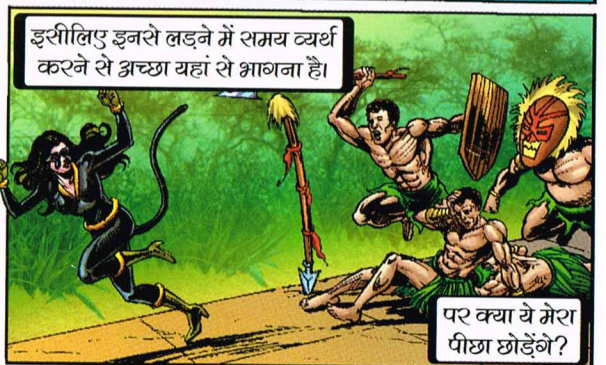
मेरे ख्याल से चेतावनी सही थी।

कौन फेंक सकता है इतना भारी तना?

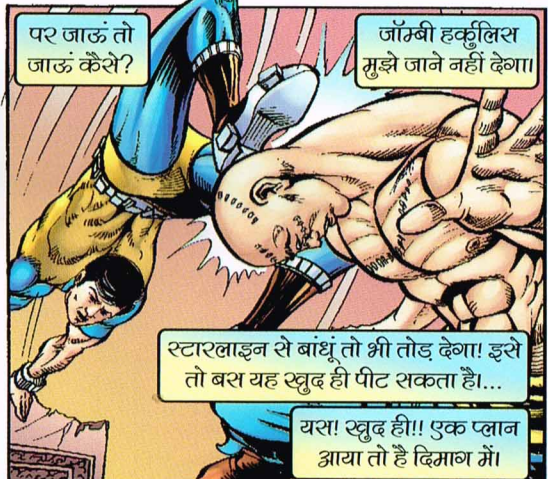
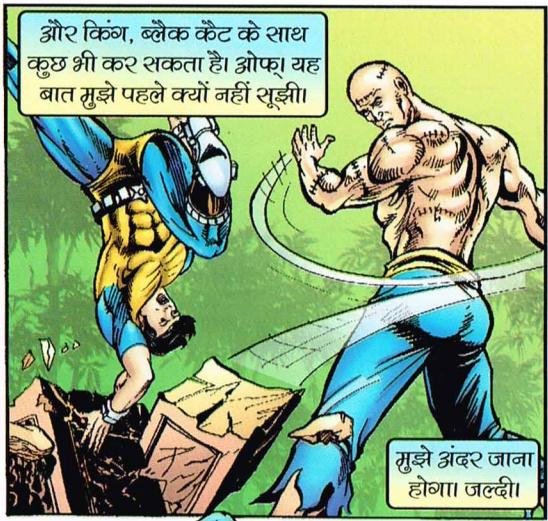
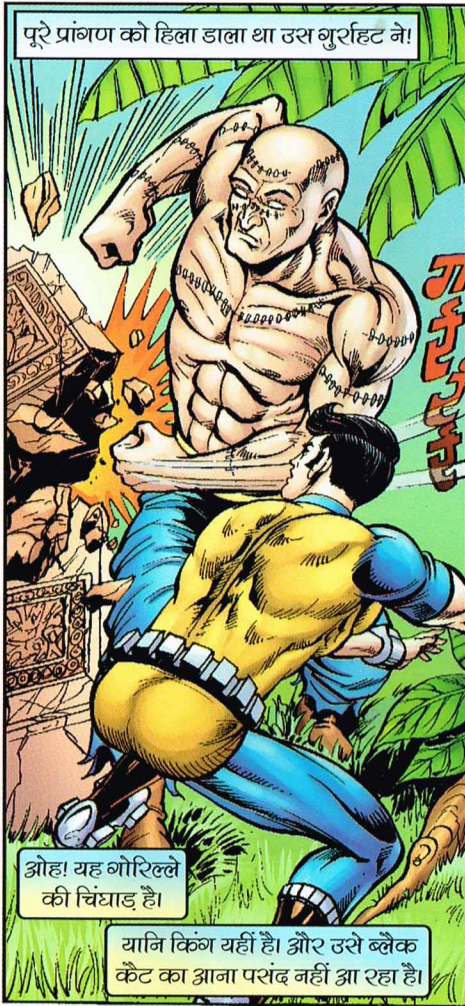
HIGH QUALITY RAJ COMICS KE LIYE  
<http://rajecomicsworld.blogspot.in/>  
<http://rajecomicsworld.blogspot.in/>

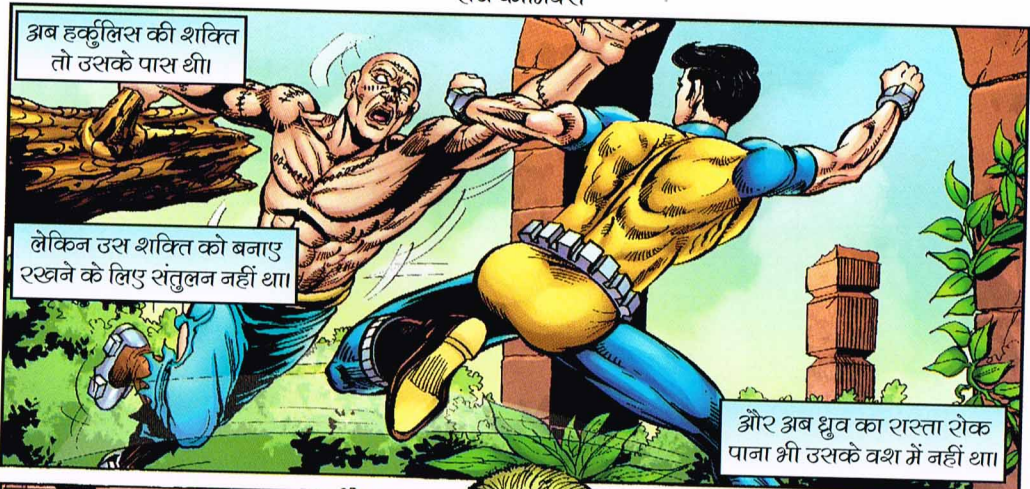














"अब यही हमें जैकब अंकल तक भी ले चलेगा। पर अब तक कोई आदिवासी नजर क्यों नहीं आया?"



जैकब अंकल बेहोश हैं। इनके पास ये भी दवा की भीनी महक आ रही है! अब हमें इनके होश में आने का इंतजार करना पड़ेगा!

और तब तक हम उस रहस्यमय महिला की तलाश करते हैं, जिसकी शक्ल मेरी मां जैसी है।

अगर उसने जैकब अंकल को बचाया है तो उसे भी आसपास ही होना चाहिए! वह तो आसपास नहीं है! लेकिन उसकी पहचान यहां पर है! यहीं पर!...



यह देखो! वह औरत यही पहने हुई थी।

य... यह कैप तो मां की है। सर्दियों में अक्सर वे यही कैप लगाती थीं।

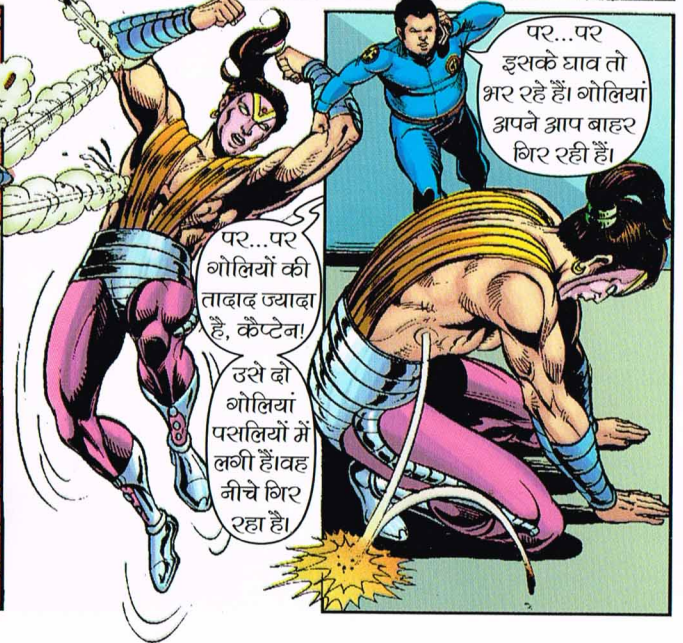
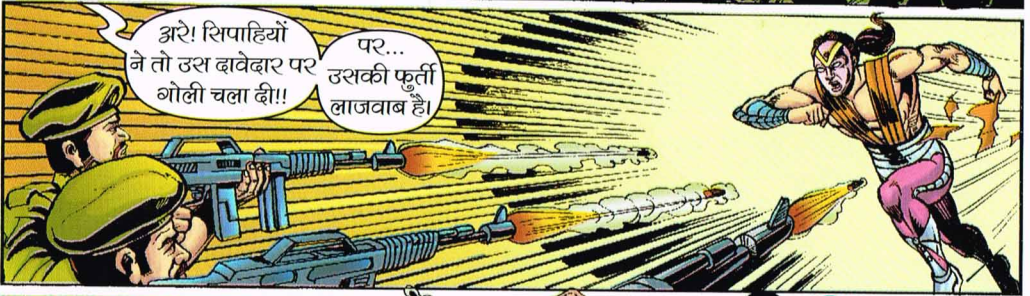


और.. और ये पट्टियां...! इनमें.. से तो...













और...और... दूर से  
एक हेलीकॉप्टर इधर आ  
रहा है। प्राइवेट है। जरूर इसी  
का होगा हम क्या करें,  
कैप्टन?



उसे रोककर  
रखो। कैसे भी! उसे  
कंटेनर हासिल मत  
करने देना! किसी भी  
कीमत पर!  
मैं आ  
रहा हूँ!



प्लान में चेंज है, ब्लैक कैट!  
मैं शिप पर जा रहा हूँ! अब किंग  
भी तुम्हारे साथ जाएगा।

कोई बड़ा  
हाइडआउट  
दूँड लो।

यह तो पहले से ही  
अपने नेचुरल घर में है। खैर!  
तुम शिप पर इतनी जल्दी  
पहुँचोगे कैसे?

तुम्हारे पास मोटर  
बोट तो क्या, लकड़ी की  
नाव तक नहीं है।



अन्ना की सिखाई  
ख़ास सीटी मुझे अभी तक याद  
है! मुझे लोहे या लकड़ी की शिप  
की जरूरत नहीं है।

“बस उम्मीद करता हूँ कि मैंने कमांडो फोर्स को जो ट्रेनिंग दी है, वह पर्याप्त हो!”

रुक जाओ!

इस कंटेनर को हाथ लगाने की कोशिश मत करना!

ओऽऽ! कमांडो फोर्स! तुम्हें ही दूँद रहा था, धन्यवाद करने के लिए!

अरे! यानी हम तुम्हें नहीं जानते पर तुम हमें जानते हो!

लेकिन धन्यवाद किस लिए?

वक्र को यहां तक पहुंचाने के लिए! यानी... मुझे!

बस तुम पर नजर रखी और तुम मुझे यहां तक ले आओ!

अच्छा किया वर्ना इंटरोगेशन करने के लिए ध्रुव तुम्हें कहा-कहा दूँदता?



ध्रुव! वह भी आणुषा तो जरूर! लेकिन उसका इंतजाम तो पहले ही हो चुका है।

और तुम्हारा भी।

तुम भूल गए कि ऐसी शिप के लिए मर्चेट नेवी गार्ड भी होते हैं।

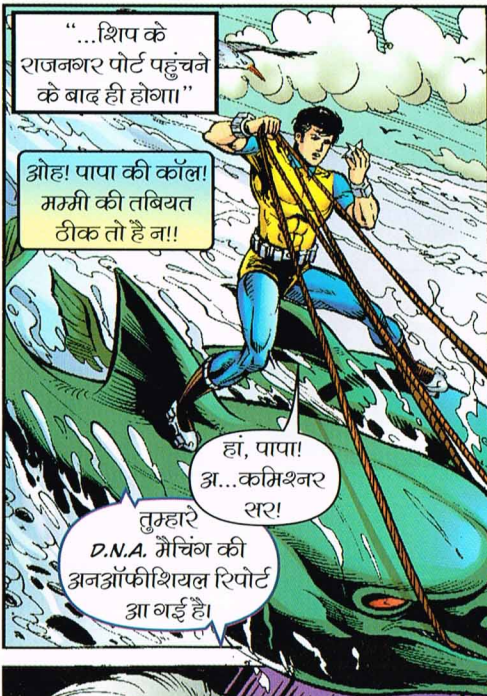
और इनके पास हार्पून गन हैं। गोलियां नहीं जो तुम पर असर न करें। कंटेनर से दूर हट जाओ!



कंटेनर सुपर कमांडो ध्रुव के नाम का है और कोर्ट के ऑर्डर के अनुसार अभी यह कोर्ट की करस्टडी में है।

यह किसे दिया जाएगा इसका फैसला...



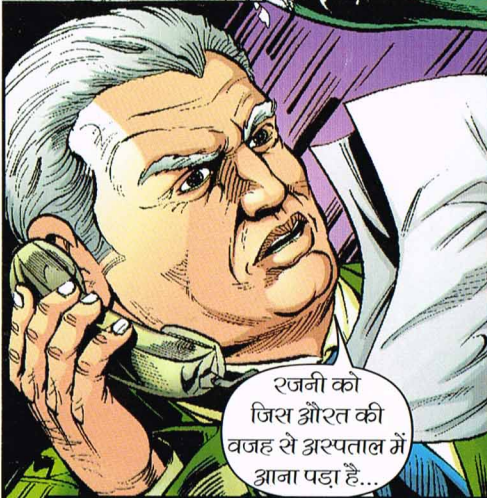


"...शिप के राजनगर पोर्ट पहुंचने के बाद ही होगा।"

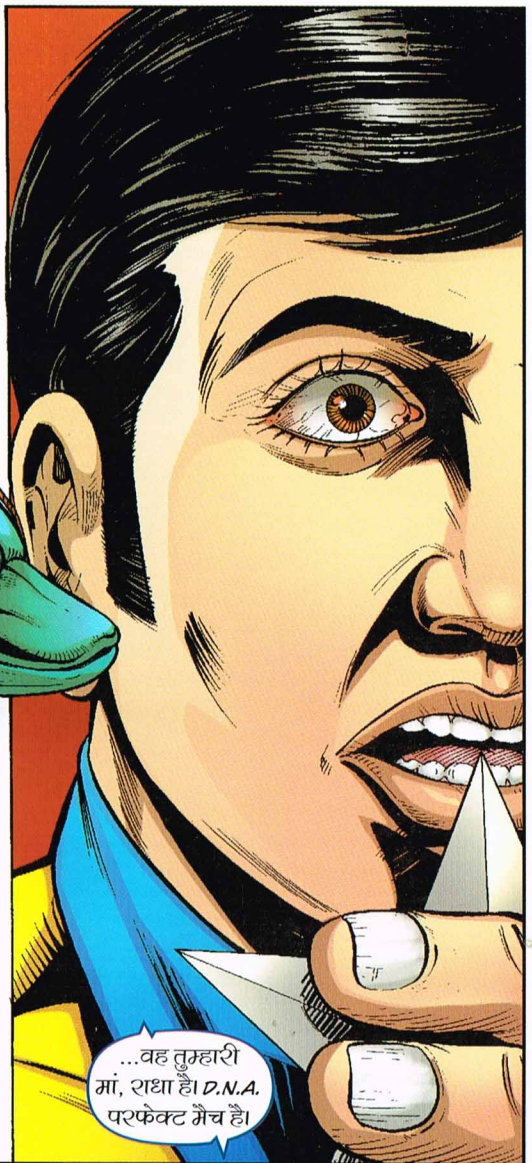
ओह! पापा की कॉल! मम्मी की तबियत ठीक तो है न!!

हां, पापा! अ...कमिशनर सर!

तुम्हारे D.N.A. मैचिंग की अनऑफिशियल रिपोर्ट आ गई है।



रजनी को जिस औरत की वजह से अस्पताल में आना पड़ा है...



...वह तुम्हारी मां, राधा है। D.N.A. परफेक्ट मैच है।

अपनी जिंदगी की लड़ाई के लिए जा रहे ध्रुव को हर खबर और कमजोर बनाती जा रही है। कहां है राधा? कौन है वक्र और वह क्या राज है जो जैकब के सीने में दफन है? क्या है ध्रुव के जीवन की सच्चाई? बताएंगी उसकी यादें, जो जिंदगी और मौत के बीच में उस क्षेत्र में बस रही हैं, जिसे कहते हैं...





धड़कनें बंद हो चुकी हैं। रक्त संचार थमने लगा है! अब शुरू होगा जिंदगी से मौत तक का सफर और इसके लिए हर इंसान पार करता है एक रहस्यमय क्षेत्र, जिसमें रहती हैं उस इंसान की सबसे पुरानी यादें, उसका बालचरित!

यह इलाका न जिंदगी का होता है और न मौत का! यह कहलाता है...

**ना मैक्स लिगड**

पर कहते हैं कोई विरला इस इलाके से लौट भी आता है!...

राज कॉमिक्स में ध्रुव की 'ओरीजिन सीरीज' का एक 'यूटर्न' शाहकार!